भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 5232

उत्तर देने की तारीख : 02.04.2025

धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए योजनाएं/कार्यक्रम

5232. डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक सहित देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के आर्थिक सशक्तीकरण और कौशल विकास के लिए मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित योजनाओं और कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सीखो और कमाओ, विकास के लिए पारंपरिक कला/शिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन योजना (उस्ताद), नई मंजिल योजना और अल्पसंख्यक महिलाओं के नेतृत्व विकास के लिए नई रोशनी योजना के कार्यान्वयन के लिए कर्नाटक राज्य को कितनी निधि स्वीकृत और जारी की गई है; और

(ग) दावनगेरे लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में उक्त योजनाओं/कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कितनी है और उसके अंतर्गत कितनी धनराशि व्यय की गई है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रिजिजू)

(क): अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना शुरू की है, जो पांच पूर्ववर्ती योजनाओं अर्थात 'सीखो और कमाओ', 'उस्ताद', 'नई मंजिल', 'नई रोशनी' और 'हमारी धरोहर' को एकीकृत करती है; और कौशल विकास, अल्पसंख्यक महिलाओं की उद्यमिता और नेतृत्व; तथा स्कूल ड्रापआउट के लिए शिक्षा सहायता के माध्यम से छह अधिसूचित अल्पसंख्यकों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करती है। इस योजना के तहत, मंत्रालय को कुछ प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और परियोजनाओं को सूचीबद्ध करने और अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। इन एकीकृत योजनाओं का संक्षिप्त विवरण और इनमें विशेष रूप से कर्नाटक में प्राप्त उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

i) सीखो और कमाओ (SAK) योजना, 2014-15 में शुरू की गई, जिसका लक्ष्य अल्पसंख्यक युवाओं (14-45 वर्ष) के कौशल को उनकी योग्यता, मौजूदा आर्थिक रुझानों और बाजार की संभावनाओं के आधार पर विभिन्न आधुनिक/पारंपरिक कौशल में उन्नत करना था, जिससे उन्हें उपयुक्त रोजगार मिल सके या उन्हें स्वरोजगार प्राप्त करने के लिए उपयुक्त रूप से कुशल बनाया जा सके। योजना के तहत शुरू से अब तक 4,68,170 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 9,478 लाभार्थी कर्नाटक राज्य से थे।

ii) उस्ताद (और हमारी धरोहर) योजना 2015 में शुरू हुई और इसका लक्ष्य कुशल शिल्पकारों/कारीगरों के पारंपरिक कौशल का क्षमता निर्माण और उन्नयन करना था। शुरुआत से लेकर अब तक इस योजना के तहत 21,611 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 45 लाभार्थी कर्नाटक राज्य से थे।

iii) नई रोशनी अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम की शुरुआत 2012-13 में की गई थी, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक महिलाओं को सभी स्तरों पर सरकारी प्रणालियों, बैंकों और अन्य संस्थानों के साथ बातचीत करने के लिए ज्ञान, साधन और तकनीक प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना था। शुरुआत से लेकर अब तक इस योजना के तहत 4,35,125 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 9,875 लाभार्थी कर्नाटक राज्य से थे।

iv) नई मंज़िल योजना 2015 में शुरू हुई थी, और इसका उद्देश्य ऐसे अल्पसंख्यक युवाओं को लाभ पहुँचाना था, जिनके पास स्कूल छोड़ने का औपचारिक प्रमाण पत्र नहीं है। इस योजना ने औपचारिक शिक्षा (कक्षा आठवीं या दसवीं) और कौशल का संयोजन प्रदान किया और लाभार्थियों को बेहतर रोजगार और आजीविका प्राप्त करने में सक्षम बनाया। शुरुआत से ही इस योजना के तहत 98,712 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 2,368 लाभार्थी कर्नाटक राज्य से थे।

(ख) और (ग): उपर्युक्त अभिसरण योजनाएं केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं थीं, इसलिए, उनमें राज्य विशिष्ट वास्तविक/वित्तीय लक्ष्य आवंटन नहीं किया गया था। पिछले (03) तीन वर्षों में उक्त अभिसरण योजनाओं के तहत स्वीकृत निधियों का विवरण इस प्रकार है:

2022-23 से 2024-25 के दौरान मंत्रालय की कौशल योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत बजट

(करोड़ रुपये में)

योजनाएं	सीखो और कमाओ	नई मंज़िल	उस्ताद	नई रोशनी	पीएम विकास
2022-23 से 2024-25	235.41	46.1	47.1	2.6	1,040

*****